भारत सरकार
नागर विमानन मंत्रालय
लोक सभा
लिखित प्रश्न संख्या : 4516
गुरुवार, 27 मार्च, 2025/6 चैत्र, 1947 (शक) को दिया जाने वाला उत्तर

गुजरात के लिए 'कृषि उड़ान' योजना

4516. श्री धवल लक्ष्मणभाई पटेल:

क्या **नागर विमानन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने 'कृषि उड़ान' योजना के अंतर्गत कृषि उत्पादों के परिवहन में किसानों की सहायता करने का लक्ष्य रखा है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) उक्त योजना के अंतर्गत गुजरात में कितने हवाई अड्डों को एकीकृत किया गया है;

(ग) क्या सरकार वलसाड को 'कृषि उडान' योजना में शामिल करने का विचार रखती है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) उक्त योजना के अंतर्गत वलसाड से कितनी कृषि उपज का परिवहन किया गया?

उत्तर
नागर विमानन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मुरलीधर मोहोल)

(क): 'कृषि उड़ान योजना' का उद्देश्य विशेष रूप से देश के पूर्वोत्तर, पहाड़ी तथा आदिवासी क्षेत्रों से उत्पन्न होने वाले सभी कृषि उत्पादों के लिए निर्बाध, लागत-प्रभावी, समयबद्ध हवाई परिवहन एवं संबद्ध संचालन तंत्र सुनिश्चित करना है, ताकि इन उत्पादों की मूल्य प्राप्ति में सुधार हो सके। 'कृषि उड़ान योजना' एक समेकित योजना है, जिसमें आठ मंत्रालय/ विभाग, नामतः नागर विमानन मंत्रालय, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, पशुपालन एवं डेयरी विभाग, मत्स्यपालन विभाग, खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय, वाणिज्य विभाग, जनजातीय कार्य मंत्रालय, उत्तर पूर्वी क्षेत्र विकास मंत्रालय (डीओएनईआर), कृषि-उत्पादों के परिवहन हेतु अपनी मौजूदा योजनाओं के संचालन तंत्र को सुदृढ़ बनाते हैं।

संचालन तंत्र और आपूर्ति श्रृंखलाओं को बेहतर बना कर, इस योजना का उद्देश्य भारतीय कृषि क्षेत्र को सुदृढ़ करना और किसानों की आय को बढ़ाना है। 'कृषि उड़ान योजना' में देश के 58 हवाईअड्डों को शामिल किया गया है, जिसमें मुख्य रूप से पूर्वोत्तर, पहाड़ी और आदिवासी क्षेत्र के 25 हवाईअड्डों के अलावा अन्य क्षेत्रों/ इलाकों के 33 हवाईअड्डों पर ध्यान केंद्रित किया गया है।

(ख) से (घ): वर्तमान में, गुजरात राज्य में जामनगर और राजकोट हवाईअड्डे 'कृषि उड़ान' के अंतर्गत शामिल हैं। 'कृषि उड़ान' एक सतत योजना है और हितधारकों के परामर्श से समय-समय पर इसकी समीक्षा की जाती है।

*****